

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/170-86/47455.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इंडियन हाईवेयर इण्डस्ट्रीज लि०, 66 बी, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री अमृत लाल, पुत्र श्री पदम सिंह, गांव भुजापुर, तहसील व जिना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री अमृत लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/98-86/47462.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० सत्यम इलेक्ट्रिकल, प्लॉट नं० 114, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री मदन लाल, पुत्र श्री रामदेव महतो, सख्त बेनीवाल की पुरानी कोठी सीही, सैक्टर-8, फरीदाबाद, तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री मदन लाल की छटनी न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/125-86/47469.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० आटो ग्लाईड प्रा० लि०, प्लॉट 64, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री प्रताप सिंह, पुत्र श्री खिन्नु राम, निवासी वास मोहल्ला पलवल, जिला फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री प्रताप सिंह की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं त्याग-पत्र देकर नौकरी छोड़ी है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है?

दिनांक 17 दिसम्बर, 1986

सं० ओ० वि०/एफ०डी०/15-86/47606.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इन्डो लावन बरु बरेबरीज लि०, 13/1, मञ्जरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री जगदीश सिंह, पुत्र श्री रमल सिंह, गांव मुरादगढ़ी, डा० बतना, जिला बुलन्दशहर (यूपी०) तथा उक्त प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्री जगदीश सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?